आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 13 (प्रति रविवार) इंदौर, 17 दिसंबर से 23 दिसंबर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

प्रधानमंत्री मोदी ने बरेका निर्मित 10,000वां लोकोमोटिव राष्ट्र को किया समर्पित

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को माडल ब्लॉक सेवापुरी बरकी में विकसित भारत, संकल्प यात्रा के तहत आयोजित विशाल जनसभा में बनारस रेल इंजन कारखाना द्वारा निर्मित 10,000वां लोकोमोटिव का वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हरी झण्डी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित किया। बरेका परिसर में उत्सव सरीखे माहौल में दुल्हन की तरह सजे लोकोमोटिव (रेल इंजन) को प्रधानमंत्री के हाथों लोकार्पित होने पर कर्मचारियों और अफसरों के चेहरे पर हर्ष का भाव दिखा।

गौरतलब हो कि दिसम्बर 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ड्यूअल कैब डीजल लोकोमोटिव को हरी झंडी दिखाई थी और लोको उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'मेक इन इंडिया' का कर्मचारियों और अफसरों का मंत्र दिया था। तबसे बरेका न सिर्फ आत्मनिर्भरता के रास्ते पर तेजी से दौड़ा, बल्कि और शक्तिशाली इंजन बनाने में सफलता भी मिली। इसका परिणाम है कि आज बरेका 10,000वां लोकोमोटिव बनाकर एक इतिहास रचा है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए संपूर्ण बरेका गौरवान्वित महसूस कर रहा है। महाप्रबंधक बासुदेव पांडा सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी में खुशी का माहौल व्याप्त है। खासकर महिला कर्मचारियों में अत्यधिक उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर काफी संख्या में बरेका अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। खास बात यह है कि बनारस रेल इंजन कारखाना जिसे पहले डीजल रेल इंजन कारखाना के नाम से जाना जाता था, ने लोको तकनीक पर आधारित पहला लोकोमोटिव तैयार करके अपनी यात्रा शुरू कर न केवल रेल इंजनों के उत्पानदन में कीर्तिमान स्थापित किया है, बल्कि रेल इंजनों की अश्व शक्ति में वृद्धि के साथ ही नयी-नयी तकनीक का भी विकास किया है।

वर्ष 2017 से बरेका ने विद्युत लोको का निर्माण शुरू किया। वर्तमान में बरेका रेलवे के लिए यात्री सेवा के लिए डब्ल्यू एपी-7 और मालवाहक के लिए डब्ल्यूएजी-9 इंजनों के निर्माण के साथ ही गैर रेलवे ग्राहकों एवं निर्यात के लिए रेल इंजन का उत्पादन कर रहा है। अब तक बरेका 1687 विद्युत लोकोमोटिव, 7498 डीजल लोकोमोटिव, 172 निर्यातित लोकोमोटिव (11 देशों में), गैर रेलवे ग्राहक हेतु 634 लोकोमोटिव, 01 डुएल (डीजल विद्युत) मोड लोकोमोटिव, 08 डीजल से इलेक्ट्रिक में परिवर्तित लोकोमोटिव का निर्माण किया है।

बरेका की नींव प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने 23 अप्रैल 1956 को रखी गयी थी। अगस्त 1961 में बरेका अपने अस्तित्व में आया। 03 जनवरी 1964 में पहला ब्राड गेज डब्ल्यूडीएम-2 का लोकार्पण तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एवं नवम्बर 1968 में पहले मीटर गेज रेल इंजन का लोकार्पण तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने किया था।

सुरक्षा में सेंध पर किया था हंगामा

एक दिन में 78 सांसद सस्पेंड

इनमें 33 लोकसभा और 45 राज्यसभा के

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के 11वें दिन (18 दिसंबर) दोनों सदनों से 78 सांसद सस्पेंड कर दिए गए। असल में संसद में सुरक्षा चूक के मसले पर लोकसभा में लगातार चौथे दिन हंगामा हुआ। लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने 33 सांसदों को सस्पेंड कर दिया। इनमें नेता अधीर रंजन चौधरी समेत कांग्रेस के 11 सांसद, तृणमूल कांग्रेस के 9, डीएमके के 9 और 4 अन्य दलों के सांसद शामिल हैं।

इनमें 30 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित किया गया है, जबकि तीन कांग्रेस सांसदों की सदस्यता बहाली पर फैसला प्रिविलेज कमेटी लेगी। इन पर स्पीकर के पोडियम पर चढ़ने का आरोप है। इसके बाद राज्यसभा में भी हंगामा हुआ। इसके चलते सभापति जगदीप धनखड़ ने 45 विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया। इनमें से 34 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित किया गया, जबकि 11 सांसदों की सदस्यता पर फैसला प्रिविलेज कमेटी लेगी। इससे पहले 14 दिसंबर को लोकसभा से 13 सांसद निलंबित किए गए थे। इनमें कांग्रेस के 9, सीपीआई (एम) के 2, डीएमके और सीपीआई के एक-एक सांसद थे। इनके अलावा राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन को भी 14 दिसंबर को सस्पेंड किया गया था। शीतकालीन सत्र से अब तक कुल मिलाकर 92 सांसदों को सस्पेंड किया जा चुका है।

राज्यसभा में सांसदों की संख्या 245 है। इसमें भाजपा और उसके सहयोगी दलों के 105, आईएनडीआईए के 64 और अन्य 76 हैं। इनमें से विपक्ष के 46 सांसद सस्पेंड कर दिया गया है।

वहीं, लोकसभा में इस समय सांसदों की संख्या 538 है। इसमें एनडीए के 329, आईएनडीआईए के 142 और अन्य दलों के 67 सांसद हैं। इनमें से 46 सांसद सस्पेंड हो चुके हैं। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक के. विक्रमराव के मुताबिक संसद से एक दिन में इतनी बड़ी संख्या में सदस्यों का निलंबन पहली बार हुआ है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने कार्यवाही शुरू होते ही 15 मिनट की स्पीच दी। कहा कि घटना पर राजनीति होना दुर्भाग्यपूर्ण है। हंगामा बढ़ा तो सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित हो गई। बाद में यह 2 बजे और फिर कल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

शिवराज को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी, पार्टी नेतृत्व में बुलाया दिल्ली

यह दौर पीढ़ी परिवर्तन का, हमारा लक्ष्य लोकसभा की 29 सीट जीतना: शिवराज

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में नई सरकार गठन के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारियां चल रही हैं। डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाने के बाद भाजपा नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बड़ी जिम्मेदारी दे सकता है। दरअसल, उन्हें पार्टी नेतृत्व ने दिल्ली बुलाया है। शिवराज सोमवार शाम को दिल्ली जाएंगे। वे वहां पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। चुनाव परिणाम के बाद शिवराज का यह पहला दिल्ली दौरा होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को विधानसभा में मीडिया से बातचीत करते हुए आने वाली भूमिका को लेकर कहा कि भाजपा एक मिशन है और यह पार्टी तय करती है कि आप कहां काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य लोकसभा की 29 सीट जीतना है। मैंने 17 साल से ज्यादा प्रदेश की सेवा की है, लेकिन स्वाभाविक रूप से एक राज्य के नागरिक के नाते की है। डॉ. मोहन यादव और ज्यादा बेहतर विकास के आयाम स्थापित करें।

उन्होंने कहा कि आज विधानसभा में बड़ा सुखद वातावरण रहा। यह पीढ़ी परिवर्तन का दौर है। पीढ़ी परिवर्तन है और डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री हैं। उमंग सिंगार नेता प्रतिपक्ष हैं। इसे सकारात्मक रूप से लेना चाहिए।

वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विधानसभा सत्र में नवनिर्वाचित सदस्यों ने मेरे साथ शपथ ग्रहण की है। प्रशासनिक व्यवस्था अच्छी चले, इसके लिए सभी नवनिर्वाचित सदस्यों का प्रशिक्षण कराया जाएगा, ताकि सदन की कार्रवाई बेहतर ढंग से चल सके। उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि विपक्ष सकारात्मक रवैये के साथ विधानसभा की कार्यवाही में सहयोग प्रदान करे और बेहतर योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ मध्य प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाए।

गौरतलब है कि दिल्ली में रविवार की रात पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ बैठक भी हो चुकी है, जिसमें तय किया गया है कि लोकसभा चुनाव तक मंत्रिमंडल का स्वरूप छोटा ही होगा। जिसकी अहम वजह राज्य पर अनावश्यक वित्तीय बोझ को भी कम करना बताई जा रही है। बैठक में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे।

संपादकीय

संसद की घटना पर सरकार गंभीर नहीं?

संसद की दर्शक दीर्घा से दो युवकों ने कूदकर सदन में आतंक मचाया। उन्होंने धुआं करने वाले बम जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। संसद परिसर में भी इसी तरीके की वारदात की गई। संसद में हमले के आरोप में छह आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जो आरोपी हैं, उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए इस आतंकी घटना को अंजाम देना करार दिया है। आरोपियों द्वारा कहा जा रहा है, कि सरकार की असंवेदन शीलता के कारण उन्हें इस तरह के आतंक का सहारा लेना पड़ा। सारे आरोपी भगत सिंह फैन क्लब के सदस्य हैं। यह माना जा रहा है कि उन्होंने वर्तमान सरकार द्वारा जिस तरीके से युवाओं की उपेक्षा की जा रही है। महंगाई और बेरोजगारी को लेकर उन्हें सरकार द्वारा चिढ़ाया जा रहा है। सरकार बार-बार कह रही कि महंगाई और बेरोजगारी जैसी कोई समस्या नहीं है। इससे नाराज होकर युवाओं ने भगत सिंह का पथ अपनाते हुए यह प्रदर्शन किया है। ईश्वर की कृपा है,कि कोई ऐसी घटना नहीं घटी। जिसमें जान माल का नुकसान हुआ हो। लेकिन संसद के अंदर इस तरीके की आतंकी घटना को कभी स्वीकार नहीं की जा सकता है। जब सिस्टम ही नकारा हो जाए। मीडिया एक तरफा सरकार की वाह- वाही करने लगे। आम जनता अपनी बात को कहीं ना रख पाए। विपक्षी दल भी संसद में जनता की बात को नहीं उठा पाएं। ऐसी स्थिति में इस तरीके की घटनाएं होना स्वाभाविक हैं। घटना हो गई,घटना के बाद सरकार और विपक्ष के बीच इस घटना को लेकर जो वाद विवाद चल रहा है। संसद की कार्रवाई पिछले कई दिनों से नहीं चल पा रही है। विपक्ष जहां गृहमंत्री से इस मामले में बयान देने की मांग पर अड़ा हुआ है। वहीं प्रधानमंत्री और गृहमंत्री संसद में बयान देने के स्थान पर मीडिया के सामने संसद की घटना को लेकर अपना पक्ष रख रहे हैं। जब संसद का सत्र चल रहा है। ऐसे संवेदनशील मामले में सरकार को संसद के अंदर अपना पक्ष रखने की अपेक्षा की जाती है। 2001 में जब संसद में आतंकवादी हमला हुआ था। उसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने संसद के अंदर वस्तु स्थिति की जानकारी देते हुए, सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में समन्वय बनाते हुए, इस दुरुह स्थिति का सामना किया था। भारतीय जनता पार्टी की सरकार तब भी थी, भारतीय जनता पार्टी की सरकार अब भी है। अटल बिहारी वाजपेई जी का उदाहरण सत्ता पक्ष के सामने है। इसके बाद भी यदि गृहमंत्री संसद के अंदर बयान न देकर इसे लोकसभा सचिवालय तक सीमित कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। इसको लेकर विपक्ष भड़का हुआ है। विपक्ष पहले की तुलना में अब एकजुट है। विपक्ष गृहमंत्री अमित शाह से इस घटना पर बयान देने की मांग पर अड़ा हुआ है। सोमवार को सदन शुरू हुआ, दोनों ही सदनों में विपक्षी इस बात पर अड़े हुए थे, कि गृहमंत्री आकर घटना के बारे में जवाब दें। इस स्थिति में यही लगता है कि सरकार का प्रयास है, कि इस घटना की चर्चा संसद में ना हो। गृहमंत्री यदि बयान देने सामने नहीं आएंगे, तो संसद की कार्यवाही नहीं चलेगी। इसका फायदा अप्रत्यक्ष रूप से सरकार को होगा। यदि सरकार की यह सोच है, तो उनके हिसाब से यह ठीक है। लेकिन संसद में इतनी बड़ी घटना हो गई, सरकार विपक्षी दलों को अपने साथ लेकर नहीं चलना चाहती है। इस मुद्दे को विवादास्पद बनाकर यदि मामले को टाला जा रहा है। तो निश्चित रूप से इसके परिणाम सरकार के लिए अच्छे नहीं होंगे। इसमें सरकार को ही सबसे ज्यादा नुकसान होगा। छुरी खरबूजे पर गिरे या खरबूजा छुरी पर गिरे, कटता खरबूजा ही है। सरकार यदि इस मामले को लंबा खींचती है, तो इसका नुकसान सरकार को ही भुगतना पड़ेगा।

जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ते तापमान से जुड़े जीवन खतरे

ललित गर्ग

जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ते तापमान के दुष्प्रभाव से यों तो सभी पीड़ित, परेशान और आशंकित हैं, पर इसके प्रभाव से दुनियाभर में संक्रामक बीमारियों में लाखों लोग आये हैं। विशेषज्ञों ने बढ़ते तापमान के साथ गंभीर बीमारियों के बढ़ने की चेतावनी जारी की है। इस बढ़ते तापमान से कृषि पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है, विकासशील एवं अत्यंत पिछड़े राष्ट्रों में महिलाएं, पुरुषों की अपेक्षा कहीं अधिक आहत हो रही हैं। एक अनुमान के अनुसार, विकासशील देशों की डेढ़ अरब गरीब, आर्थिक रूप से वंचित, निर्णायक भूमिका विहीन, संसाधनों की पहुंच से दूर महिलाएं अपनी परम्परागत भूमिकाओं, सामाजिक अपेक्षाओं और आजीविका के मौजूदा विकल्पों के रहते जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों की अधिक मार झेल रही हैं। दुबई में सम्पन्न कॉप-28 की मीटिंगों में इन विषयों पर गंभीर चर्चाएं हुई है। संभवतः पिछले तीस वर्षों में जलवायु परिवर्तन की बैठकों इतनी सार्थक चर्चाएं नहीं हुई है। इस बार भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कहीं बातों एवं सुझावों को प्राथमिकता मिलना, इस जटिल होती समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। कॉप-28 जलवायु सम्मेलन यूएई सर्वसम्मति मसौदे के साथ दुबई में संपन्न हुआ, जिसमें जीवाश्म ईंधन से उचित परिवर्तन की वकालत की गई और जलवायु संकट से निपटने के लिए अतिरिक्त जलवायु वित्तपोषण प्रतिबद्धताओं की पेशकश की गई। हालाँकि जितनी विकराल समस्या है उसे देखते हुए जलवायु परिवर्तन के राक्षसों को नियंत्रित करने के लिए अभी व्यापक प्रयत्नों एवं संकल्पों से आगे बढ़ने एवं कठोर निर्णय लेकर उनकी क्रियान्विति आवश्यक है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी देते हुए कहा है कि जलवायु संकट से लोग बीमार हो रहे हैं और यह जीवन को खतरे में डाल रहा है। इन महत्वपूर्ण कॉप वार्ताओं में स्वास्थ्य चर्चा के केंद्र में होना चाहिए। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि सम्मेलन को जलवायु संकट से निपटने के लिए शमन, अनुकूलन, वित्तपोषण और सहयोग के चार प्रमुख लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हमारा ध्यान जलवायु संकट से स्वास्थ्य को होने वाले खतरे एवं जलवायु कार्रवाई से होने वाले स्वास्थ्य लाभ पर केन्द्रित होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन पहले से ही लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है और जब तक तत्काल कार्रवाई नहीं की जाएगी, तब तक यह तेजी से बढ़ता रहेगा। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने कहा कि जलवायु परिवर्तन दुनिया भर में लाखों लोगों को बीमार या बीमारी के प्रति अधिक असरदार बना रहा है। बढ़ते तापमान की घटनाओं की बढ़ती विनाशकारिता गरीब और हाशिए पर रहने वाले लोगों को असमान रूप से प्रभावित करते हैं। कुपोषित व स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित महिलाओं में जलवायु परिवर्तन के कारण मलेरिया, हैजा-दस्त, डेंगू जैसे रोगों की आशंका कहीं अधिक रहती है। यह महत्वपूर्ण है कि बातचीत के केंद्र में स्वास्थ्य को रखने के लिए नेता और निर्णय निर्माता कॉप 28 में एक साथ आएं।

हमारा स्वास्थ्य हमारे आस-पास के पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है, ये पारिस्थितिकी तंत्र अब वनों को काटे जाने, कृषि और भूमि उपयोग में बदलाव, बढ़ते प्लास्टिक प्रयोग तथा तेजी से हो रहे शहरी विकास के चलते खतरे में हैं। जानवरों के आवासों में अतिक्रमण अब मनुष्यों के लिए हानिकारक विषाणुओं संक्रमण के अवसरों को बढ़ा रहा है। 2030 से 2050 के बीच, जलवायु परिवर्तन से कुपोषण, मलेरिया, डायरिया और गर्मी के तनाव से हर साल लगभग ढाई लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं। वर्तमान जनसंख्या वृद्धि और जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में कृषि उत्पादकता पहले से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है। मौसम में बदलाव की अल्पकालिक घटनाओं तथा दीर्घकालिक जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण धान, मक्का और गेहूं की पैदावार प्रभावित हो रही है और पाया गया कि तापमान का नकारात्मक प्रभाव लम्बे समय की तुलना में अल्पावधि में अधिक होता है। जलवायु परिवर्तन और मौसम में बदलाव की बार-बार हो रही चरम घटनाएं फसल की पैदावार पर कहर बरपा रही हैं और किसानों को अपनी फसलों के नुकसान को सीमित करने के अनुकूल उपाय करने के लिए मजबूर कर रही हैं।

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को सीमित और नियंत्रित करने के लिए जरूरी है कि भारत दर्शन एवं संस्कृति में इसका समाधान खोजें। भारतीय परम्परा एवं धार्मिक कृत्यों ऐसे-ऐसे विधि-विधान एवं प्रावधान है जो जलवायु संकट से मुक्ति दिलाने में सक्षम है। भारत में धार्मिक कृत्यों में वृक्ष पूजा का महत्व मिलता है। पीपल को पूज्य मानकर उसे अटल सुहाग से सम्बद्ध किया गया है, भोजन में तुलसी का भोग पवित्र माना गया है, जो कई रोगों की रामबाण औषधि है। बिल्व वृक्ष को भगवान शंकर से जोड़ा गया और ढाक, पलाश, दूर्वा एवं कुश जैसी वनस्पतियों को नवग्रह पूजा आदि धार्मिक कृत्यों से जोड़ा गया। पूजा के कलश में सप्तनदियों का जल एवं सप्तभृत्तिका का पूजन करना व्यक्ति-व्यक्ति में नदी व भूमि को पवित्र बनाए रखने की भावना का संचार करता था। सिंधु सभ्यता की मोहरों पर पशुओं एवं वृक्षों का अंकन, सम्राटों द्वारा अपने राजचिन्ह के रूप में वृक्षों एवं पशुओं को स्थान देना, गुप्त सम्राटों द्वारा बाज को पूज्य मानना, मार्गों में वृक्ष लगवाना, कुएं खुदवाना, दूसरे प्रदेशों से वृक्ष मंगवाना आदि तात्कालिक प्रयास पर्यावरण प्रेम को ही प्रदर्शित करते हैं। 'पानी और प्रेम को खरीदा नहीं जा सकता' जैसी कहावत हमारे यहां प्रचलित रही है। 'रहिमन पानी राखिये बिन पानी सब सून' जहाँ इस उक्ति में पानी इज्जत और मान मर्यादा का प्रतीक बन पड़ा है, वही आज के इस पर्यावरणीय संकट में पानी के शाब्दिक अर्थ को ही बचा पाए तो हम रहीम के दोहे के साथ न्याय कर पाएंगे। यह तो केवल एक बानगी है जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ते तापमान से हो रहे प्रकृति के विनाश के प्रति चिंता की।

जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ते तापमान के लिये बढ़ता प्लास्टिक का प्रचलन भी बड़ा कारण है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि प्लास्टिक प्रदूषण बहुत बड़ी समस्या है। किंतु माइक्रो प्लास्टिक की समस्या तो उससे भी कहीं ज्यादा भयानक समस्या बनती जा रही है। माइक्रो प्लास्टिक से विश्व भर के महासमुद्रों में पैदा हो रहा प्रदूषण आने वाले समय में बहुत विकट समस्या साबित होगा। यह समस्या इतनी विकट-विकराल होगी, जो सदियों तक मानव जीवन को प्रभावित करती रहेगी। विश्व की आबादी प्रतिवर्ष लगभग अपने वजन बराबर प्लास्टिक उत्पन्न करती है। प्रतिष्ठित अमेरिकी जर्नल साइंस में प्रकाशित वर्ष 2015 के एक वैश्विक अध्ययन के मुताबिक दुनिया के 192 समुद्र तटीय देशों में तकरीबन साढ़े सत्ताईस करोड़ टन प्लास्टिक कचरे का उत्पादन हुआ, जिसमें से बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा महासमुद्रों में प्रविष्ट हो गया। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आकलन अनुसार प्रतिवर्ष प्रत्येक भारतीय तकरीबन आठ किलोग्राम प्लास्टिक का उपयोग करता है। इसका निष्कर्ष यही हुआ कि भारत में प्रति वर्ष तकरीबन एक सौ लाख टन प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है। प्लास्टिक की थैलियां हमारे रोजमर्रा के जीवन की जरूरत और सुविधा दोनों ही बनती जा रही है क्योंकि ये थैलियों आकर्षक, सस्ती, मजबूत और हल्की होती है। लेकिन ये ही प्लास्टिक थैलियों जल, जमीन, जंगल के लिए हद दर्जे तक हानिकारक साबित हो रही है। जल में रहने वाले समुद्री जीवों पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों और मवेशियों सहित वन्यजीवन को खतरनाक ढंग से खत्म करने के लिए ये प्लास्टिक की थैलियां प्रमुखतः जिम्मेदार बनती जा रही हैं। इस तरह की समस्याओं पर भी कॉप सम्मेलनों में चर्चा होनी चाहिए।

पृथ्वी की रक्षा के लिये पर्यावरणीय प्रदूषण, अन्याय और अशुचिता के खिलाफ जनजागृति होना जरूरी है। भारतीय दर्शन, जीवन शैली, परंपराओं और प्रथाओं में प्रकृति की रक्षा करने का विज्ञान छुपा है। आवश्यकता दुनिया के सामने इसकी व्याख्या करने की है। जब तक हम भारतीय दर्शन के अनुरूप जीवनशैली नहीं अपनायेंगे तब तक ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन जैसी समस्या का समाधान नहीं मिलेगा। इसलिये प्रकृति की रक्षा करने वाली परंपराओं और संस्कृति को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। विदित हो कि पर्यावरण को लेकर भारतीय ज्ञान पूरी तरह वैज्ञानिक है। हमें लालच छोड़ने, पृथ्वी को नष्ट नहीं होने देने और आवश्यकता के अनुरूप प्रकृति के संसाधनों का उपभोग करने का संकल्प लेने से ही ग्लोबल वार्मिंग का समाधान मिलेगा।

बीएम ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेस ने मानव अधिकार दिवस मनाया गया!

इंदौर। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व जिला न्यायाधीश श्रीमती सुचित्रा दुबे एवं विशेष अतिथि श्रीमती छवी गुप्ता थी। कार्यक्रम के अध्यक्षता बीएम ग्रुप की वाइस चेयरमैन डॉ. रीना शर्मा ने अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ,शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया ! अपने उद्बोधन में श्रीमती दुबे ने युवाओं को प्रेरित करते हुए विधि के संबंध में कई महत्वपूर्ण जानकारी साझा की उन्होंने निर्भया मामले से संबंधित नवीन संशोधनत्मक कानून के संबंध में कई जानकारियां युवाओं को दी रामायण के माध्यम से संदेश देकर छात्रों को बताया कि वर्तमान समय के इंस्टाग्राम एवं फेसबुक जैसी बातों से दूर रहकर अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर कार्य करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वाइस चेयरमैन डॉ.रीना शर्मा ने सदन को मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया! स्वागत भाषण में अतिथियों का अभिनंदन करते हुए बीएमसीएमआर की निदेशक डॉ.विजयलक्ष्मी आयंगर ने मानव अधिकारों की संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा दिए गए विषय पर सार्वभौमिक घोषणा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी लोगों को इन अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया! कार्यक्रम मैं डॉ बीएम ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेस मैं मानव अधिकार दिवस मनाया गया! कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व जिला न्यायाधीश श्रीमती सुचित्रा दुबे एवं विशेष अतिथि श्रीमती छवी गुप्ता थी! कार्यक्रम के अध्यक्षता बीएम ग्रुप की वाइस चेयरमैन डॉक्टर रीना शर्मा ने अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ,शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर किया! कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया ! अपने उद्बोधन में श्रीमती दुबे ने युवाओं को प्रेरित करते हुए विधि के संबंध में कई महत्वपूर्ण जानकारी साझा की उन्होंने निर्भया मामले से संबंधित नवीन संशोधनत्मक कानून के संबंध में कई जानकारियां युवाओं को दी। रामायण के माध्यम से संदेश देकर छात्रों को बताया कि वर्तमान समय के इंस्टाग्राम एवं फेसबुक जैसी बातों से दूर रहकर अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर कार्य करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वाइस चेयरमैन डॉ.रीना शर्मा ने सदन को मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया स्वागत भाषण में अतिथियों का अभिनंदन करते हुए बीएमसीएमआर की निदेशक डॉ विजयलक्ष्मी आयंगर ने मानव अधिकारों की संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा दिए गए विषय पर सार्वभौमिक घोषणा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी लोगों को इन अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम मैं डॉ.संजय माहेश्वरी की पुस्तक वित्तीय अर्थशास्त्र का मुख्य अतिथि के द्वारा विमोचन किया गया ! कार्यक्रम का का आभार विधि विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर रचना के द्वारा व्यक्त किया गया तथा संचालन मैनेजमेंट विभाग की प्रोफेसर दीपिका के द्वारा किया गया! संजय माहेश्वरी की पुस्तक वित्तीय अर्थशास्त्र का मुख्य अतिथि के द्वारा विमोचन किया गया ! कार्यक्रम का का आभार विधि विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर रचना के द्वारा व्यक्त किया गया तथा संचालन मैनेजमेंट विभाग की प्रोफेसर दीपिका के द्वारा किया गया !

'अर्चना' नहीं, अब 'सुदर्शन' से चलेगा आरएसएस ऑफिस

सोलर एनर्जी से रोशन होगा रामबाग में बना नया कार्यालय

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आज इंदौर में नए कार्यालय का शुभारंभ हुआ। इसका नाम संघ के पूर्व सरसंघ चालक केसी सुदर्शन के नाम पर 'सुदर्शन' रखा गया है। बताया जा रहा है कि 'अर्चना' कार्यालय का शुभारंभ केसी सुदर्शन ने ही किया था। संघ का नया कार्यालय रामबाग में पुराने अर्चना कार्यालय के पास ही पंत वैद्य कालोनी में बनाया गया है।

सुदर्शन कार्यालय के शुभारंभ के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, मध्य क्षेत्र के संघ चालक अशोक सोहनी, मालवा के प्रांत संघ चालक प्रकाश शास्त्री सहित अन्य कई पदाधिकारी मौजूद थे। इंदौर में नए भवन का निर्माण डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा किया गया है।

समिति के अध्यक्ष ईश्वरदास हिंदूजा और सचिव राकेश यादव ने बताया कि वैदिक रीति एवं मंत्रोच्चार के साथ नए कार्यालय का शुभारंभ किया गया है। शुभारंभ कार्यालय में भाग लेने के लिए संघ ने सभी आनुषंगिक संगठनों के पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया था। बता दें कि यहां 13 दिसम्बर से मन्त्रोच्चार और हवन के माध्यम से अनुष्ठान चल रहा है, जिसमें सुंदर कांड, वास्तु पूजन एवं मंगल आरती भी हुई। बताया जा रहा है कि नए कार्यालय पर प्रति गुरुवार संघ की समन्वय शाखा भी लगेगी।

लोकार्पण कार्यक्रम में सर कार्यवाह दत्तात्रेय हसबोले ने कहा कि मैकाले शिक्षा प्रणाली और मार्क्सवादी विचार के कारण देश राजनीतिक स्वतंत्रता के बाद भी भौतिक गुलामी में दशकों तक रहा है। समाज को गुलामी के गहरे प्रहार से मुक्त होना चाहिए। इसलिए स्वतंत्रता के आंदोलन करने वालों ने देश के मौलिक आधार पर ही जोर दिया, लेकिन स्वतंत्रता के बाद देश के स्वाभिमान पर आघात हुआ, इसका अनुभव हम करते है। समाज ही संघ है-होसबोले ने कहा कि वर्षों तक संघ ने बगैर कार्यालय के काम किया। अब जिला स्तर पर कार्यालय खुलने लगे है। यह विचार शुरू से रहा है कि संघ की कोई प्रॉपर्टी न हो। समाज का हर घर संघ का कार्यालय है, क्योकिं समाज ही संघ है। इंदौर का नया भवन भी समाज के कामों के लिए है। समाज में बदलाव के लिए जो प्रशिक्षण दिए जाने चाहिए। 18 हजार वर्ग फीट में बना है नया सुदर्शन कार्यालय-यह कार्यालय लगभग 18 हजार वर्गफीट पर बनाया गया है। जिसमें 29 कमरे और 3 हॉल बनाए गए हैं। नए भवन में स्वागत कक्ष, कार्यालय, किचन, भोजन कक्ष, सेमिनार हॉल, बैठक कक्ष और 150 लोगों के लिए एकल और सामूहिक रहवासी कक्ष बनाए गए हैं।

इंदौर जिले के शासकीय स्कूलों में की जा रही विद्यार्थियों की काउंसलिंग

इंदौर। मध्य प्रदेश के शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों की काउंसलिंग का कार्य आरंभ किया गया। इसमें अलग-अलग स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों को प्रतियोगिता परीक्षा और अन्य कोर्स को लेकर जानकारी दी जा रही है, ताकि 10वीं और 12वीं के बाद में भविष्य की संभावना के आधार पर तैयारी कर सके। इंदौर जिले के सभी शासकीय स्कूलों में बारी-बारी काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश शासन द्ववारा जिले के शासकीय हाई स्कूल-हायर सेकेंडरी स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की काउंसलिंग के निर्देश दिए गए है। निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय इंदौर द्वारा स्कूलों में 10वीं और 12वीं के अध्ययनरत विद्यार्थी की काउंसलिंग की जाकर मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। यह काउंसलिंग कार्य 15 दिसंबर से (शहरी क्षेत्र के स्कूलों) में किया जा रहा है। शासकीय आदिवासी सीनियर छात्रावास बड़ा गणपति इंदौर एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बजरंग नगर इंदौर में काउंसलिंग कर छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान कर एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रवेश तथा उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश की जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ शासन की स्वरोजगार योजनाओं एवं कौशल विकास अंतर्गत चल रहे प्रशिक्षण कोर्सों के संबंध में काउंसलर और विषय विशेषज्ञ के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस अवसर पर कार्यालय समन्यवक पवन कुमार गोयल ने अपने विभाग की गतिविधियों को बताते हुए इस काउंसलिंग कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

मोतियाबिंद मुक्त भारत अभियान के तहत होगी जांच और उपचार

इंदौर। मोतियाबिंद को खत्म करने के 'प्रधानमंत्री मोतियाबिंद मुक्त भारत' अभियान में मोतियाबिंद होने की संभावना वाले 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों की स्क्रीनिंग एवं जांच की जाएगी और जाँच के बाद मोतियाबिंद प्रभावितों का ऑपरेशन भी किये जाएगें। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राज्य शासन के कार्यक्रम अनुसार मोतियाबिंद को खत्म करना 'प्रधानमंत्री मोतियाबिंद मुक्त भारत' अभियान का उद्देश्य है। नेत्र सर्जन के समन्वयय से दृष्टि सुरक्षित करने के इस अभियान की सघन माइक्रो प्लानिंग कर सर्जरी प्रोटोकॉल के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित कर अभियान चलाया जाएगा। राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य कार्यक्रम अधिकारी ने भी अभियान के बारे में जानकारी दी है।

लिवर की बीमारी के लिए उपयोगी इंजेक्शन की कमी, सात हजार है कीमत

इंदौर। एमवाय अस्पताल में दवाइयों की कमी से मरीजों को आए दिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में अस्पताल में लिवर के मरीजों के लिए उपयोगी इंजेक्शन की कमी चल रही है। इससे गरीब मरीजों के स्वजन परेशान हैं। यह इंजेक्शन बाजार में करीब सात हजार का मिलता है।

प्रबंधन ध्यान नहीं दे रहा है, जबकि इंजेक्शन की कमी करीब डेढ़ माह से चल रही है। यह इंजेक्शन आयुष्मान योजना के अंतर्गत मरीजों को मिलता है, लेकिन अस्पताल में कमी के कारण वह इसका लाभ भी नहीं ले पा रहे हैं। कई बार मरीज इसकी शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन अभी तक इस समस्या का कोई हल नहीं निकल पाया है। यह एल्बुमिन इंजेक्शन है, जो लिवर के गंभीर डैमेज होने पर उपयोगी होता है। बता दें कि अस्पताल में ऐसे करीब पांच मरीज प्रतिदिन आते हैं, जिन्हें इस इंजेक्शन ही आवश्यकता होती है। इस संबंध में जिम्मेदारों का कहना है कि इंजेक्शन खरीदी के लिए आदेश दे दिए हैं। बड़वानी की आदिवासी महिला अपने 20 वर्ष के बेटे को आपरेशन के लिए एमवाय अस्पताल में लेकर आई है। आपरेशन के बाद उसे तीन इंजेक्शन की आवश्यकता थी, लेकिन स्वजन के पास पैसे नहीं थे। वह काफी परेशान हुए, इसके बाद सामाजिक संस्था की मदद से उन्हें इंजेक्शन मिल पाया है।

इंजेक्शन का यह होता है उपयोग

विशेषज्ञों के मुताबिक एल्बुमिन एक तरह का प्रोटीन होता है, जिसकी लिवर को आवश्यकता होती है। इसकी कमी पूरी करने के लिए एल्बुमिन इंजेक्शन मरीजों को लगाया जाता है। जिन मरीजों का लिवर 80 से 90 प्रतिशत तक डैमेज हो जाता है और पेट के अंदर बार-बार पानी भर जाता है, उन्हें यह इंजेक्शन लगाना ही पड़ता है। यह इंजेक्शन नहीं लगाने पर मरीज की हालत गंभीर हो जाती है। इसका एक विकल्प और होता है, जिसमें रोगियों में प्रोटीन की कमी पूरी करने के लिए डाक्टर प्लाज्मा भी चढ़ा सकते हैं, लेकिन यह प्रक्रिया थोड़ी लंबी होती है।

अपराधी समझ लें मप्र उनके लिए सुरक्षित नहीं : विष्णुदत्त शर्मा

मोदी की गारंटी को घर-घर पहुंचाएगी विकसित भारत संकल्प यात्रा

भोपाल। *देश के अंदर अगर कोई गारंटी है, तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी है। विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश की जनता को यह विश्वास दिलाया था कि 'मोदी की गारंटी, हर गारंटी के पूरा होने की गारंटी' है। इस वादे को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट मीटिंग में ही तेंदूपत्ता की दर 4000 रुपये प्रति मानक बोरा करने का निर्णय ले लिया है, जिसके लिए भाजपा के संकल्प पत्र में वादा किया गया था। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा का, उन्होंने जनहितैषी निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी सरकार के प्रति आभार भी जताया है, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का यह निर्णय मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में उठाया गया पहला कदम है।*

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि शपथग्रहण के तत्काल बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सरकार ने 'मोदी की गारंटी' को पूरा करने का काम शुरू कर दिया है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में आदिवासी भाईयों के सशक्तीकरण के लिए तेंदूपत्ता संग्रहण की दर 3000 रुपये से बढ़ाकर 4000 रुपये किए जाने की बात कही थी। इस पर खुशी जाहिर करते हुए शर्मा ने कहा बुधवार को हुई राज्य कैबिनेट की शॉर्ट बैठक में राज्य सरकार ने तेंदूपत्ते के संग्रहण की दरें 4000 रुपये प्रति मानक बोरा कर दी। सरकार के इस निर्णय से उन आदिवासी भाईयों का सशक्तीकरण होगा, जो वनोपज एकत्र करके अपनी आजीविका चलाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के इस निर्णय के लिए मैं प्रदेश के सभी आदिवासी भाईयों को शुभकामनाएं देता हूं और राज्य सरकार को बधाई देता हूं।

शर्मा ने कहा कि पहली कैबिनेट में निर्णय लिया गया कि प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर संचालित हो रहे जो हमारे लीडिंग कॉलेज हैं, उनका प्रधानमंत्री उत्कृष्ट महाविद्यालय के रूप में उन्नयन किया जाएगा। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले शासकीय और निजी विश्वविद्यालयों में छात्रों की डिग्री और अंक सूची को डिजिलॉकर में अपलोड किया जाएगा। प्रदेश सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के अनेक कॉलेज प्रधानमंत्री उत्कृष्ट महाविद्यालय के रूप में अपग्रेड होंगे और हमारे छात्र-छात्राओं को उनमें पढ़ाई करने का अवसर प्राप्त होगा। साथ ही छात्रों के महत्वपूर्ण दस्तावेज जो उनके भविष्य का आधार होते हैं, डिजिलॉकर में अपलोड होने से सुरक्षित होंगे।

प्रदेश में अब नहीं होगा गुंडों, अपराधियों के लिए स्थान

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने आगे कहा कि 2003 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को ऐसा मध्य प्रदेश मिला था, जो असुरक्षित था और जहां गुंडों-अपराधियों का बोलबाला था। भाजपा की सरकार ने गुंडों, अपराधियों और डकैतों की नकेल कसकर प्रदेश को सुरक्षित बनाया। इससे आगे बढ़कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने निर्णय लिया है कि ऐसे आदतन अपराधियों के द्वारा पूर्व में किए गए अपराधों में प्राप्त जमानत को दंड प्रक्रिया संहिता सीआरपीसी की धारा 437 438 439 के तहत संबंधित न्यायालयों में आवेदन प्रस्तुत करके जमानत निरस्त करने की कार्रवाई की जाए। श्री शर्मा ने कहा कि सरकार के इस निर्णय से आदतन अपराधियों पर शिकंजा और कसेगा तथा वे कोई नया अपराध करने की स्थिति में नहीं होंगे। श्री शर्मा ने कहा कि गुंडे और अपराधी अब यह सोच लें कि मप्र उनके लिए सुरक्षित नहीं है और ऐसे लोगों के लिए प्रदेश में कोई स्थान नहीं है।

भाजपा अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने उच्च न्यायालय के आदेश के अनुरूप डीजे, ध्वनि विस्तारक यंत्रों से होने वाले ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए निर्णय लिया है7 लाउडस्पीकर के अनियंत्रित और नियम विरुद्ध प्रयोग को प्रतिबंधित करने हेतु निर्देश जारी किए हैं। इससे आमजन की परेशानियां कम होंगी।

विस चुनाव में करारी हार के बाद कार्यकर्ता निराश

नए जोश के साथ चुनावी समर में उतरेंगे-पटवारी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष जीतू पटवारी लोकसभा चुनाव में अब नए जोशोखरोश के साथ चुनावी समर में उतरेंगे। इसके लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा करके पटवारी टीम को अंतिम रूप देंगे। हाल ही में विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार से कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता निराशा में डूबे हुए हैं। कांग्रेस को भारी पराजय मिलने के बावजूद यदि नेतृत्व परिवर्तन नहीं किया जाता तो कार्यकर्ताओं में सकारात्मक संदेश नहीं जाता। विधानसभा चुनाव दरअसल, कमल नाथ और दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ा गया था। दोनों की पसंद पर टिकट वितरण हुआ। इसको लेकर विरोध-प्रदर्शन भी हुए पर अंतिम निर्णय दोनों की पसंद पर ही हुए।चुनाव अभियान के संचालन की दिशा भी इन्होंने ही तय की। जब परिणाम अनुकूल नहीं आई तो नेतृत्व पर बात उठना स्वभाविक थी। केंद्रीय संगठन ने चुनाव परिणाम की समीक्षा के साथ ही पीढ़ी परिवर्तन का मन बना लिया था। पटवारी का सकारात्मक पक्ष यह है कि युवा कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष रहते, उन्होंने पूरे प्रदेश में नेटवर्क बनाया और अब यह टीम मुख्यधारा में आएगी। नए लोगों को प्रदेश इकाई में काम करने का मौका मिलेगा तो वरिष्ठों का साथ भी लिया जाएगा। लोकसभा चुनाव मार्च में घोषित हो जाएंगे। इस हिसाब से देखा जाए तो पटवारी के सामने पहले चुनौती कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव के लिए तैयार करने की होगी। उन्हें निराशा के भाव से निकालकर भाजपा से मुकाबले के लिए प्रेरित करना होगा। प्रत्याशी चयन के साथ-साथ चुनिंदा लोकसभा सीटों पर अभी से काम करना होगा। सूत्रों का कहना है कि क्षेत्रीय और राजनीतिक संतुलन बनाने के लिए चार कार्यकारी अध्यक्ष भी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त किए जा सकते हैं। यह प्रयोग कमल नाथ को प्रदेश अध्यक्ष बनते समय भी किया था। उस समय जीतू पटवारी कार्यकारी अध्यक्ष थे। पटवारी और उमंग सिंघार मालवांचल से आते हैं। जबकि, विधायक दल के उप नेता बनाए गए हेमंत कटारे ग्वालियर अंचल से आते हैं। विंध्य, महाकोशल, बुंदेलखंड और मध्य भारत से कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर संतुलन साधा जा सकता है।विधानसभा चुनाव में पार्टी जरूर हार गई पर छिंदवाड़ा सहित दस लोकसभा क्षेत्र ऐसे हैं, जहां विधानसभा चुनाव 2023 के परिणाम के हिसाब से भाजपा को पराजय मिली है। इनमें मुरैना, भिंड, ग्वालियर, टीकमगढ़, मंडला, बालाघाट, रतलाम, धार और खरगोन सीट शामिल हैं।

विधानसभा अध्यक्ष के लिए विपक्ष का मिला साथ

नरेंद्र तोमर निर्विरोध चुने जाएंगे, 20 दिसंबर को होगा चयन

भोपाल।मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और दो उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला के शपथ ग्रहण के बाद अब विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। इस बीच विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए घोषित नाम नरेंद्र सिंह तोमर को विपक्ष कांग्रेस का साथ मिल गया है। नरेंद्र सिंह तोमर निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष चुने जाएंगे। 20 दिसंबर को मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष का चयन होगा। बता दें कि सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का नाम विधानसभा अध्यक्ष के लिए रखा है। 20 दिसंबर को विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए चयन प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसके पहले ही प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने उन्हें समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। इससे विधानसभा अध्यक्ष के लिए निर्वाचन का प्रक्रिया नहीं होगी। वे निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाएंगे। विपक्ष की इस भूमिका की पूरे प्रदेश में सराहना हो रही है, क्यों कि कांग्रेस के पास अपना अध्यक्ष बनाने के लिए सदस्यों की संख्या नहीं है।

उपाध्यक्ष को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं

उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को मिलेगा या नहीं, इसको लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। दरअसल, 15वीं विधानसभा में अध्यक्ष के निर्वाचन के समय कांग्रेस और भाजपा के बीच मतभेद हो गए थे। भाजपा ने अध्यक्ष पद के लिए अपना उम्मीदवार उतार दिया था। चुनाव में कांग्रेस के एनपी प्रजापति विजयी हुए थे, लेकिन इसके बाद उपाध्यक्ष का पद भी कांग्रेस ने विपक्ष को नहीं दिया। लांजी से विधायक रहीं हिना कांवरे को उपाध्यक्ष बनाया था। मार्च 2020 में जब सत्ता परिवर्तन हुआ तो कांग्रेस ने यह पद परंपरा के अनुसार विपक्ष को देने की बात उठाई पर सरकार ने कांग्रेस पर परंपरा को तोडने का आरोप लगाते हुए पद नहीं दिया और स्वयं भी किसी को उपाध्यक्ष नियुक्त नहीं कर पाई।

ढाई दिन में बिजली कनेक्शन देना सराहनीय-प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री दुबे

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के कार्यक्षेत्र में घरेलू उपभोक्ताओं को ढाई दिन में नये बिजली कनेक्शन दिये जा रहे हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि पूरे देश में घरेलू कनेक्शन देने में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। कंपनी कार्यक्षेत्र का बैतूल जिला प्रदेश का ऐसा पहला जिला है जहॉ ढ़ाई दिन से भी कम समय में घरेलू उपभोक्ताओं को नये कनेक्शन दिये जा रहे हैं। बिलिंग की शिकायतों का निराकरण नियमानुसार निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए अतिशीघ्र किया जाए। यह बात आज यहॉ गोविन्दपुरा स्थित कंपनी मुख्यालय के सभागार में प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री संजय दुबे ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों की विद्युत वितरण व्यवस्था की समीक्षा बैठक के दौरान कही। बैठक में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव श्री दुबे ने निर्देशित किया कि बिजली चोरी बहुल क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जाए तथा बकाया राशि की वसूली सघनता से की जाए ताकि आगे आने वाले तीन माहों में सकल तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों (एटीएण्डसी) को न्यूनतम स्तर पर लाया जा सके। उन्होंने खराब तथा जले मीटरों को बदलने के लिए एक अभियान चलाने की जरूरत बताई और निम्नदाब के गैर घरेलू तथा औद्योगिक पॉवर श्रेणी के खराब तथा जले मीटरों को प्राथमिकता के आधार पर बदलने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में बिलिंग दक्षता शत-प्रतिशत होना चाहिए और प्रत्येक यूनिट का मूल्य वसूला जाना चाहिए। उन्होंने राजस्व संग्रहण दक्षता बढ़ाने के भी निर्देश दिये।

प्रमुख सचिव ने कहा कि बिजली चोरी पकड़ने के प्रकरणों में डिजिटल पंचनामे बनाये जाएं और बिलिंग रियल टाईम आधार पर की जाए। उन्होंने कहा कि वितरण ट्रांसफार्मर की असफलता दर को कम किया जाए। 11 के.व्ही. एवं 33 के.व्ही. के ऐसे फीडर जहॉ ट्रिपिंग अधिक हो रही है उनकी मासिक आधार पर समीक्षा कर रखरखाव के कार्य को प्रभावी ढंग से किया जाए।

विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए होगी प्रशिक्षण की व्यवस्था

प्रशासन का विकेंद्रीकरण होगा-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया प्रतिनिधियों से विधानसभा परिसर में किया संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जारी जनकल्याण और विकास की योजनाओं का क्रियान्वयन हमारी डबल इंजन की सरकार निरंतर प्रभावी रूप से कर रही है। विधानसभा निर्वाचन 2023 में प्रदेशवासियों ने विकास के प्रति जो विश्वास व्यक्त किया है, उससे संवैधानिक संस्थाओं का मान और विश्वास बढ़ा है। हमारा प्रयास है कि प्रशासन का विकेंद्रीकरण हो, अर्थात जिले पर जिला स्तरीय इकाई, संभाग पर संभाग स्तरीय इकाई और प्रदेश स्तर पर प्रदेश स्तरीय इकाई, विकास गतिविधियों के धरातल पर क्रियान्वयन में नीचे अपना श्रेष्ठतम योगदान दें। नवनिर्वाचित विधायक और मंत्रिपरिषद के सदस्य अपनी भूमिका अधिक प्रभावी तरीके से निभा सकें, इसके लिए उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीअन्न (मोटे अनाज) के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में व्यापक अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश में सांस्कृतिक अभ्युत्थान का पर्व चल रहा है। हम भगवान बाबा महाकाल के साथ-साथ ओरछा, सलकनपुर और मैहर में महालोक निर्माण के लिये रोड मैप बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया का स्वागत करते हुए मीडिया से अपेक्षा की कि मीडिया प्रतिनिधि रचनात्मक व सृजनात्मक भूमिका निभाएंगे तथा विकास और प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपना सकारात्मक योगदान देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश विधानसभा परिसर में मीडिया के प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे।

आयुष्मान योजना में आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ता सहित अन्य को भी मिलेगा लाभ

भोपाल। आयुष्मान योजना में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायिका, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आशा तथा ऊषा कार्यकर्ता, आशा सुपरवाईजर, कोटवार और संवीदा कर्मियों को प्रतिवर्ष प्रति परिवार 5 लाख रूपये का स्वास्थ्य सुरक्षा लाभ स्वीकृत किया गया है। आयुष्मान भारत निरामयम योजना में पूर्व में स्वीकृत पात्र श्रेणियों में इन नई श्रेणियों को भी शामिल किया गया है। इस आशय का आदेश स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किया गया है। आयुष्मान योजना में कुछ परिवारों को अपात्र भी घोषित किया गया है। जिसमें ऐसे परिवार जिसका कोई भी सदस्य गत तीन वर्षों में से किसी भी वर्ष में आयकर दाता हो,ऐसे परिवार जिसका कोई भी सदस्य किसी अन्य शासकीय योजना से निःशुल्क स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकता हो और ऐसापरिवार जिसका कोई भी सदस्य शासकीय कर्मचारी होने के साथ-साथ राज्य शासन अथवा केन्द्र शासन की किसी अन्य योजना अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करने के पात्र हो शामिल होंगे।

जबलपुर हाईकोर्ट में महिला ने लगाई याचिका

मुझे संतान चाहिए, पति को जमानत दीजिए

भोपाल। *जबलपुर हाईकोर्ट में संतान पैदा करने के लिए पति की रिहाई के लिए लगाई गई याचिका पर सुनवाई टल गई। सोमवार को लंच के बाद जस्टिस विवेक अग्रवाल की कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। शासन की ओर से पेश हुए वकील से महिला की मेडिकल रिपोर्ट मांगी गई। फाइल में रिपोर्ट नहीं थी। इस पर जस्टिस विवेक अग्रवाल ने एक हफ्ते बाद मेडिकल रिपोर्ट के साथ पेश होने के निर्देश दिए हैं।*

इससे पहले नवंबर में महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विवेक अग्रवाल ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस चिकित्सा महाविद्यालय के डीन को 5 डॉक्टरों की टीम गठित करने के आदेश दिए थे। कहा था कि मेडिकल टीम ये पता लगाए कि महिला गर्भधारण करने के लिए फिट है या नहीं। अगली सुनवाई की तारीख 18 दिसंबर तय की थी।

राजस्थान हाईकोर्ट ने दी थी 15 दिन की पैरोल

खंडवा की महिला ने राजस्थान हाईकोर्ट के जिस फैसले को अपनी याचिका में संलग्न किया है, उसमें एक महिला ने गर्भधारण करने के लिए अपने पति को रिहा करने की गुहार लगाई थी। कोर्ट ने जेल में बंद उसके पति को 15 दिन की पैरोल पर रिहा करने का आदेश दिया था। राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस फरजंद अली की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया था। कोर्ट ने कहा था कि पैरोल नियम 2021 में कैदी को उसकी पत्नी से संतान पैदा करने के आधार पर पैरोल पर रिहा करने का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। सुनवाई के दौरान जस्टिस फरजंद अली ने कहा कि हिंदू दर्शन के अनुसार गर्भाधान यानी गर्भ का धन प्राप्त करना 16 संस्कारों में से एक है। कोर्ट ने कहा कि यहूदी धर्म, ईसाई धर्म और कुछ अन्य धर्मों में जन्म को ईश्वरीय आदेश कहा गया है। इस्लामी शरिया और इस्लाम में वंश का संरक्षण माना गया है।

मौलिक अधिकारों का हवाला देते हुए की थी अपील

खंडवा की रहने वाली महिला ने हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा है कि एक आपराधिक केस में दोषी पाए जाने पर पति को कारावास की सजा मिली है। मौजूदा समय में पति इंदौर जेल में बंद है। उसने इच्छा जाहिर की थी कि वह मातृत्व सुख पाना चाहती है, जिसके लिए पति को एक महीने के लिए अस्थायी जमानत दी जाए। महिला ने याचिका में राजस्थान हाईकोर्ट के एक आदेश को संलग्न किया है। इसके जरिए उसने दावा किया है कि संतान पैदा करना उसका मौलिक अधिकार है।

20,000 करोड़ रूपये निवेश से बनेगी अटल मेडिसिटी, हर संभाग में मप्र इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस

मध्यप्रदेश संकल्प पत्र 2023 में हर नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सात दिन में रोडमैप तैयार करने के दिये निर्देश

भोपाल। मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र में 20,000 करोड़ रूपये के निवेश का उपयोग कर मध्यप्रदेश निरामय इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन में अटल मेडिसिटी स्थापित की जायेगी। प्रत्येक संभाग में एम्स की तर्ज पर मध्यप्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस स्थापित किया जायेगा। मध्यप्रदेश संकल्प पत्र 2023 में हर नागरिक को स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी दी गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश संकल्प पत्र 2023 में दी गारंटी को पूरा करने के लिए सात दिन में रोडमैप बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये हैं।

संकल्प पत्र के अनुसार प्रमुख शहरों में कैंसर रोगियों के लिए पैलिएटिव केयर सेंटर स्थापित किये जायेंगे। वन लोकसभा-वन मेडिकल कॉलेज योजना के अंतर्गत हर लोकसभा क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज स्थापित किये जायेंगे। वन डिस्ट्रिक्ट-वन नर्सिंग कॉलेज योजना में हर जिले में नर्सिंग कॉलेज होगा। वन ब्लॉक-वन ब्लड बैंक योजना में हर ब्लॉक में ब्लड बैंक बनाये जायेंगे। एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की संख्या को दोगुना करेंगे। अस्पताल और आईसीयू में बिस्तरों की संख्या को दोगुना किया जायेगा।वर्तमान में 132 प्रकार की जांच निशुल्क उपलब्ध हैं। हर दिन लगभग 10,000 मरीज लाभ उठा रहे हैं। वर्ष 2003 में 5 मेडिकल कॉलेज थे जो आज बढ़कर 24 हो गए हैं। एमबीबीएस की सीटें बढ़कर 4,000 से अधिक हो गई हैं। साढ़े तीन वर्षों में 800 से अधिक स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण और विकास किया गया है। अस्पताल में बिस्तरों की संख्या 2,000 से 42,000 हो गई है और आईसीयू में बिस्तरों की संख्या 10 गुना से ज्यादा बढ़ाकर 2,085 की गई है।

स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए 11,000 से अधिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर शुरू किए हैं। प्रदेश में 2,000 से अधिक एंबुलेंस उपलब्ध हैं। डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की संख्या 7 गुना से ज्यादा बढ़ाकर 51,000 से अधिक की गई है।

आयुष्मान भारत के लाभार्थियों के लिये पाँच लाख से ज्यादा खर्च होने पर अतिरिक्त खर्च सीएम रिलीफ फंड से किया जायेगा।

सर्दियों में डायबिटीज के मरीजों को खाना एवं एक्सरसाइज

डायबिटीज के दौरान खाने पीने की चीजों को लेकर खास परहेज करना पड़ता है। बदलते मौसम और सर्दी के आगमन में डायबिटीज के मरीज के लिए यह तय कर पाना मुश्किल हो जाता है कि वह क्या खाएं और क्या नहीं। डायबिटीज की बीमारी में बदलते मौसम का असर भी ब्लड शुगर लेवल के फ्लकचुएट होने की वजह बन सकता है। सभी जानते हैं कि सर्दियों के दौरान बार - बार भूख लगती रहती है। ऐसा ही कुछ डायबिटीज के मरीजों के साथ भी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ठंड के दौरान हमारा मेटाबॉलिज्म तेज हो जाता है। मेटाबॉलिज्म के तेज होने के चलते हमें भूख तो लगती ही है। साथ ही सर्दियों में शरीर का तापमान भी कम ही रहता है। ऐसे में शरीर का कम तापमान भूख को अधिक उत्तेजित कर देता है। इसके बाद शरीर जैसे ही भोजन करता है तो तापमान बढ़ने लगता है। सर्दियों के दौरान शरीर खुद को गर्म रखने के लिए अधिक मेहनत करता है, जिसकी वजह से ऊर्जा अधिक इस्तेमाल होता है और भूख लगने लगती है।

डॉ. अशोक झिंगन

डायबिटीज के मरीजों को मीठे से दूरी बनाए रखने की सलाह दी जाती है, ताकि उनका ब्लड शुगर लेवल न बढ़े। ऐसा इसलिए क्योंकि हम जो खाना खाते हैं वे प्राकृतिक तौर पर कार्ब्स और चीनी से भरपूर होते हैं, जो हमारे ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखने के लिए काफी होता है। इसमें कोई शक नहीं कि गुड़ चीनी की तुलना कहीं ज्यादा हेल्दी होता है, लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए यह दोनों ही एक समान हैं। अगर डायबिटीज के मरीज गुड़ का सेवन करते हैं, तो उन्हें काफी कम मात्रा में खाना चाहिए। गुड़ में चीनी की मात्रा काफी ज्यादा होती है, जिससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है।

गुड़ खाने से आपके ग्लूकोज स्तर पर कुछ हद तक चीनी खाने जैसा ही प्रभाव पड़ता है। बहुत से लोगों की धारणा है कि जब वे चीनी की जगह गुड़ का सेवन करते हैं, तो इससे उन्हें अपने ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखने में मदद मिल सकती है। पर ये स्थिति नहीं है। जटिल होते हुए भी, गुड़ में सुक्रोज होता है, जो हमारे शरीर द्वारा अवशोषित होने पर ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ा देता है। इसका मतलब है कि यह चीनी के किसी भी अन्य रूप जितना ही हानिकारक है। फर्क सिर्फ इतना है कि गुड़ को शरीर में अवशोषित होने में समय लगता है।

गुड़ का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 84 बहुत अधिक होता है, इसलिए मधुमेह रोगियों को गुड़ खाने की सलाह नहीं दी जाती है। यहां तक कि आम तौर पर, मधुमेह के रोगियों को मीठे खाद्य पदार्थ और मिठाइयाँ पूरी तरह से खत्म कर देनी चाहिए क्योंकि अनियमित ब्लड शुगर से निपटने का एक बड़ा हिस्सा मीठे दाँत को भी पूरी तरह से खत्म कर रहा है। मधुमेह रोगियों को मीठे खाद्य पदार्थों से दूर रहने के लिए यह आवश्यक है।

तो निष्कर्ष के तौर पर, यदि आप पूरी तरह से स्वस्थ हैं और आपको की कोई समस्या नहीं है, तो आप सफेद चीनी के विकल्प के रूप में गुड़ का उपयोग कर सकते हैं। लेकिन अगर आपको डायबिटीज है तो आपको गुड़ से बिल्कुल दूर रहना चाहिए।

सर्दियों में सुबह के नाश्ते, लंच और डिनर के समय पर आप इनमें से कुछ विकल्पों को चुनाव कर सकते हैं। डायबिटीज के दौरान स्प्राउट्स, रोस्टेड चीजे या फिर सूप खाने के लिए फायदेमंद माने जाते हैं।

डिनर से पहले शाम के समय आप वेजिटेबल सूप ले सकते हैं। जिसे आप टमाटर, घीया, मटर, मशरूम या मिक्स्ड वेजिटेबल के जरिए बना सकते हैं।

दिल के लिए चैलेंजिंग रहा ये साल, बढ़े हार्ट अटैक के मामले

आज के समय में गलत खानपान कई बीमारियों का कारण बनता है। इसका असर हमारे दिल की सेहत पर भी पड़ता है। दिल से जुड़ी बीमारियां दुनियाभर में तेजी से पैर पसार रही हैं। कहीं न कहीं इसके पीछे वजह खराब लाइफस्टाइल है। पहले दिल से जुड़ी परेशानियां सिर्फ बड़ों में देखी जाती थीं, लेकिन आज के समय में ये बच्चों को भी अपना शिकार बना रही हैं। इतना ही नहीं साल-दर साल यह जानलेवा रोग बढ़ता ही जा रहा है। अब ये साल भी खत्म होने को है, लेकिन ये साल भी दिल के लिहाज से काफी चुनौती भरा रहा और अभी भी जारी है।

सरकार ने किया सतर्क-

आपको बता दें कि साल 2023 में दिल की बीमारियों के कई केसेस देखे गए, जिसे लेकर सरकार ने सभी को सावधान किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने लापरवाही न बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोरोना के शिकार रह चुके हैं उन्हें शारीरिक परिश्रम करने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है।

ये है आईसीएमआर की रिपोर्ट-

हाल ही में आईसीएमआर के विशेषज्ञों ने एक अध्ययन किया, जिसमें उन्होंने पाया कि कोविड-19 के बाद सडेन हार्ट अटैक के मामले काफी तेजी से बढ़े हैं। ऐसे में संक्रमण के दुष्प्रभावों के चलते कम उम्र के लोग भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। शोधकर्ताओं ने हार्ट अटैक से मरने वाले 100 से अधिक लोगों की जांच की। उन्होंने पाया कि मरने वालों में वो लोग ज्यादा थे, जो महामारी के दौरान संक्रमण की चपेट में आए थे। शवों की एमआरआई जांच में कोरोना के कारण हृदय-फेफड़ों की समस्याओं के बारे में भी पता चला।

इस तरह करें अपना और अपनों का बचाव

जंक फूड को करें बॉय-बॉय

साथ ही हमें हार्ट अटैक के खतरे से बचने के लिए अपने लाइफस्टाइल को बदलने की काफी जरूरत है। जंक फूड का बढ़ता सेवन हमें मोटापा, हाई बीपी और डायबिटीज का शिकार बना रहा है जिससे आगे चलकर हमें मल्टी आर्गनफेलियर जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए अपने खाने-पीने पर विशेष ध्यान रखें और रोजाना हल्की एक्सरसाइज करें।

नियंत्रित रखें मोटापे और हाई बीपी

मोटापा और हाई बीपी हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ाता है। कॉलेस्ट्राल की समस्या हार्टअटैक को जन्म देती है इसलिए मोटापे, हाईबीपी और कॉलेस्ट्राल को नियत्रिंत रखकर हम हार्ट अटैक के खतरे को कम कर सकते है जिसके लिए हेल्दी लाइफस्टाइल बेहद ही ज्यादा जरूरी है।

-नौ घंटे की पूरी नींद लें
-सुबह घांस पर नंगे पाव चलें
-भूल से भी सुबह का नाश्ता न छोड़ें
-रोजाना व्यायाम करें
-धूम्रपान और शराब से दूरी बनाएं
-सुबह के समय मेडिटेशन करें

गरबा और शादियों में आए हार्ट अटैक

इस साल शादियों में डांस करते समय, गरबा खेलते और उत्सवों के दौरान कई हार्ट अटैक और कार्डियक के कई मामले दर्ज किए गए। गुजरात सरकार की दिसंबर माह की रिपोर्ट की मानें तो राज्य में पिछले छह महीनों में दिल का दौरा पड़ने से 1,052 लोगों की मौत हुई है, जो कि हैरान करने वाला है। हैरानी की बात ये है कि इनमें से लगभग 80 प्रतिशत 11 से 25 वर्ष के आयु वर्ग के थे।

इंटेंस वर्कआउट न करें

एक्सपर्ट्स का मानना है कि इंटेंस वर्कआउट और एक्सेसिव एक्सरसाइज भी हार्ट अटैक की वजह बनती है। ज्यादा तेजी से ज्यादा हैवी वर्कआउट करने से हृदय पर दबाव पड़ता है और दबाव न झेल पाने की स्थिति में हार्ट अटैक आता है इसलिए वर्कआउट किसी एक्सपर्ट की सलाह के अनुसार ही करें और मोडरेट तरीके से ही एक्सरसाइज करें।

फेफड़े ही नहीं दिमाग के लिए भी हानिकारक है स्मोकिंग

स्मोकिंग की वजह से होने वाले नुकसानों के बारे में आप जानते ही होंगे। यह आपके फेफड़ों के लिए इतना घातक होता है कि इसकी वजह से लंग कैंसर भी हो सकता है। लेकिन, इससे होने वाली हानियों की लिस्ट काफी लंबी है, जिनमें एक स्टडी के मुताबिक आपका दिमाग भी शामिल है। हाल ही में, जर्नल बायोलॉजिक साइकेट्री: ग्लोबल ओपन साइंस में आई एक स्टडी के मुताबिक, स्मोकिंग की वजह से आपके दिमाग का वॉल्यूम कम हो सकता है यानी सिकुड़ सकता है। हालांकि, बढ़ती उम्र के साथ दिमाग का वॉल्यूम कम होना सामान्य बात है, लेकिन स्मोक करने की वजह से आपके दिमाग और जल्दी सिकुड़ने लगता है, जिस कारण से उसका साइज छोटा होता जाता है। अभी तक स्मोकिंग को आपके फेफड़ों और दिल के लिए हानिकारक माना जाता था, लेकिन इस स्टडी की मदद से यह समझा जा सकता है कि यह आपके दिमाग के लिए भी उतना ही खतरनाक है। इस वजह से होने वाले डैमेज को ठीक नहीं किया जा सकता। इसलिए स्मोकिंग छोड़ने के बाद आप नुकसान को बढ़ने से रोक सकते हैं, लेकिन जो डैमेज हो चुका है, उसे ठीक नहीं कर सकते।

इस स्टडी के अनुसार, एक व्यक्ति जितनी सिग्रेट पीता है, उसके दिमाग का वॉल्यूम कम होता जाता है। इस कारण से डिमेंशिया का खतरा उतना अधिक बढ़ता जाता है। हालांकि, बढ़ती उम्र और स्मोकिंग दोनों ही डिमेंशिया के रिस्क फैक्टर्स हैं, लेकिन स्मोकिंग की वजह से दिमाग का वॉल्यूम कम होने की प्रक्रिया अधिक तेज हो जाती है। इसलिए स्मोकिंग छोड़ना डिमेंशिया के खतरे को कम करने के लिए बहुत जरूरी है। हालांकि, डिमेंशिया के खतरे को कम करने के लिए स्मोकिंग के खतरे को कम करने के साथ और भी कई सावधानियां बरती जा सकती हैं।

एक्टिव लाइफस्टाइल- एक्सरसाइज करने से डिमेंशिया के खतरे को कम करने में मदद मिलती है। इसलिए रोज एक्सरसाइज जरूर करें। एक ही जगह बहुत समय तक बैठे रहने की वजह से डिमेंशिया का जोखिम काफी हद तक बढ़ जाता है। इसलिए एक्टिव लाइफस्टाइल अपनाएं।

हेल्दी डाइट- डिमेंशिया से बचाव में प्लांट बेस्ड फूड आइटम्स मददगार हो सकते हैं। इसलिए अधिक प्रोसेस्ड फूड आइटम्स न खाएं और हरी सब्जियां, फल आदि को अपनी डाइट में शामिल करें।

दिमाग को एक्टिव रखें- कई ऐसी एक्टिविटीज होती हैं, जो आपके दिमाग को एक्टिव रखने में मदद कर सकते हैं। ब्रेन टीजर, सुडोकू, चेस आदि जैसे गेम्स की मदद से आप अपने दिमाग को एक्टिव रख सकते हैं।

जानें सर्दी में कैसे करें चेहरे पर रेटिनॉल का इस्तेमाल

उम्र बढ़ने लगती है तो महिलाएं चेहरे के लिए कोई ऐसी क्रीम या सीरम ढूंढना शुरू कर देती हैं, जिससे उनकी फाइन लाइन्स और झुर्रियां कम हो सकें। ऐसे में रेटिनॉल बढ़ती उम्र के निशान को काफी हद तक कम करने के लिए सबसे अच्छा इंग्रीडिएंट माना जाता है। इसे अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करने से आप इसका जादुई फायदा उठा सकती हैं। आज हम आपको बताएंगे कि इसे किन चीजों के लिए प्रयोग किया जा कसता है...

रेटिनॉल

विटामिन ए एक घुलनशील विटामिन है, जो अंडे, शकरकंद और गाजर में पाया जाता है। इसे आपकी स्किन के लिए सबसे बड़ा वरदान माना जाता है। यह फ्री रैडिकल्स से लड़ने, त्वचा की बनावट को निखारने, चमक को बढ़ाने और झुर्रियों को दूर करने के लिए जाना जाता है। यह कोशिकाओं के कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भी जाना जाता है। इसका इस्तेमाल कई सारी स्किन केयर प्रोडक्ट्स में होता है।

त्वचा में चमक लाता है

यह डैमेज स्किन को एक्सफोलिएट करता है। जिससे बाद में आने वाली स्किन चमकदार, चिकनी और गोरी होती है।

झुर्रियों को रोकता है

त्वचा पर रेटिनॉल का लगातार उपयोग फाइन लाइन्स, झुर्रियों और अन्य उम्र बढ़ने से संबंधित त्वचा की समस्या को दूर करने में मदद करता है।

ब्रेकआउट कम से कम करें

रेटिनॉल को कई सारी क्रीम्स और लोशन में इस्तेमाल किया जाता है। यह ऑयली स्किन पर होने वाले ब्रेकआउट और ब्लैकहेड्स को कम करने में मदद करता है और त्वचा से सीबम उत्पादन को नियंत्रित करता है।

डार्क स्पॉट से छुटकारा दिलाए

यह धूप की वजह से चेहरे पर हुए गहरे रंग के दाग-धब्बों को मिटाता है। साथ ही इसे लगाने से स्किन का टोन बराबर होता है। अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो रेटिनॉल की बहुत कम मात्रा में लगाकर शुरूआत करें। आपको बता दें कि रेटिनॉल युक्त क्रीम लगाने से आपकी स्किन धूप के प्रति थोड़ी संवेदनशील बन सकती है। इस प्रोडक्ट को हमेशा रात के समय लगाए।

सर्दियों में बना रहे हैं घूमने का प्लान तो फॉलो करें ये जरूरी टिप्स

घूमने के शौकीन घूमने के लिए कोई भी मौसम हो बस निकल पड़ते हैं। खासकर ठंड के मौसम में कई लोग घूमने का प्लान बनाते हैं। इस सीजन खुशनुमा और सुहाना मौसम लोगों को घर से बाहर निकलने पर मजबूर कर देता है। हालांकि, हड्डियां कंपाने वाली सर्दियों में घूमना वो भी किसी हिल स्टेशन पर, काफी चुनौतियों भरा हो सकता है। ऐसे में अगर आप इस विंटर कोई ट्रिप प्लान कर रहे हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखना ज्यादा जरूरी है।

ऐसी जगहों के लिए बिना तैयारी के निकलना आपको मुश्किल में भी डाल सकता हैं, जिसमें आप या आपके साथ गया कोई अन्य व्यक्ति बीमार भी पड़ सकता हैं। ऐसे में आप अपना ट्रिप प्लान करते समय कुछ जरूरी चीजों का ध्यान रखकर अपने सफर को खराब होने से बचा सकते हैं और ट्रिप को एंजॉय भी कर सकते हैं।

सफर से जुड़ी जरूरी टिप्स

सर्दियों में सफर पर निकलने से पहले मौसम के हिसाब से गर्म कपड़ों की खरीदारी से लेकर, रहने के लिए प्री होटल बुकिंग, मेडिसिन किट, मौसम पूर्वानुमान, कुछ अन्य जरूरी चीजें और सबसे जरूरी अपने बजट आदि का उचित प्रबंधन जरूरी होता है। आइए जानते हैं विंटर ट्रिप पर जाने से पहले किन बातों का रखें ध्यान-

कपड़ों की पैकिंग

सर्दियों में घूमने निकलने के लिए पैकिंग में वुलेन कपड़ों के साथ वुलेन इनरवेयर जरूर रखें। साथ ही एक्स्ट्रा टॉप और स्वेटर भी रखें। वुलेन मोजे, दस्ताने और जूते जरूर रखें। पुरुषों के लिए वुलेन कैप, मफलर आदि और महिलाओं के लिए वुलेन टोपी और शॉल रखना न भूलें। विंटर केयर बॉडी लोशन, लिपबाम, मॉइश्चराइजर, वैसलीन आदि भी रखना न भूलें।

बजट निर्धारण करें

कहीं भी घूमने के लिए पैसों की जरूरत होती है। इसलिए सबसे पहले आप अपने बजट को निर्धारित करें। फिर ट्रिप प्लान करें, क्योंकि सर्दियों की कुछ खास जरूरतें भी होती है, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता है। साथ ही कुछ एक्स्ट्रा पैसों को इमरजेंसी के लिए जरूर रखें।

प्री-होटल बुकिंग

सर्दी हो या गर्मी कभी भी घूमने निकलने से पहले ही अपने लिए आरामदायक होटल की बुकिंग टूर एन्ड ट्रेवल्स कंपनी की मदद से कर लेना फायदेमंद साबित होता है। ऐसा करने से आप अकेले हों या फिर फैमिली या दोस्त के साथ ये सबके लिए सुविधाजनक रहता है।

मेडिसिन किट तैयार करें

मेडिसीन किट जरूर तैयार रखें, जिसमें सामान्य फीवर, फ्लू, एलर्जी, कोल्ड की दवाएं हों। साथ ही गैस, उल्टी, पेट दर्द, डाइजीन और पुदीन हरा जैसी छोटी दवाइयों को भी रखना न भूलें। हो सके तो डिटॉल की एक छोटी शीशी और कुछ कॉटन बॉल्स भी साथ रखें। अगर आप बीपी या शुगर के पेशेंट हैं, तो डॉक्टर से सलाह ले कर दवाइयों को रखना बिल्कुल भी न भूलें।

मौसम पूर्वानुमान

सर्दियों में घूमने निकलने से पहले मौसम की ताजा जानकारी जरूर रखें। इससे आप बदलते मौसम के मिजाज से होने वाली परेशानियों से बच पाएंगे। इन सब चीजों के साथ ही जहां आप जा रहे हैं, उस जगह की अच्छे से जांच पड़ताल जरूर करें।

शादी के बाद छोड़ देनी चाहिए ये आदतें नहीं तो रिश्ते में आ सकती है खटास

जहां एक तरफ कोई अरेंज मैरिज करता है, तो कोई अपनी पसंद की यानी लव मैरिज करता है। पर जब भी कोई शख्स शादी करता है, तो उसके जीवन में काफी कुछ बदल जाता है। खुद से पहले पार्टनर के बारे में सोचना, उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आदि ये सभी चीजें जिंदगी का हिस्सा बन जाती हैं। ऐसे में अगर आप थोड़ी सी भी कोई गलती करते हैं, तो इसका बुरा असर सीधे आपके वैवाहिक जीवन पर पड़ सकता है। जैसे- कुछ आदतें ऐसी होती हैं जो आपका रिश्ता तक खराब कर सकती हैं। यही नहीं, इनकी वजह से रिश्ता टूटने तक की नौबत आ सकती है। इसलिए जरूरी हो जाता है कि आप इन आदतों को शादी के बाद सुधार लें। तो चलिए जानते हैं ये कौन सी आदते हैं, जिन्हें शादी के बाद हर व्यक्ति को बदल लेना चाहिए..

शक करने की आदत

किसी भी रिश्ते में विश्वास होना बेहद जरूरी है और अगर आप अपने पार्टनर पर बेवजह शक करते हैं, तो जाहिर है कि आप उन पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में आपके रिश्ते में खटास आ सकती है। दरअसल, कई लोगों की ये आदत पहले से होती है और शादी के बाद भी वो अपने पार्टनर पर शक करते हैं। ऐसा न करें, वरना आपका रिश्ता टूट सकता है।

सम्मान न करना

जब दो लोग शादी के पवित्र बंधन में बंधते हैं, तो दोनों की अपेक्षा होती है कि उनका पार्टनर उनका सम्मान करें। पर कई लोगों की पहले से आदत होती है कि वो किसी को कुछ नहीं समझते और सामने वाले व्यक्ति का सम्मान भी नहीं करते। पर शादी के बाद आपकी ये आदत आपको दिक्कत में डाल सकती है।

ताने मारने की आदत

कई लोगों की शुरू से आदत होती है कि वो घर और घर के बाहर दोनों जगह लोगों को ताने मारते हैं, लेकिन शादी के बाद अपने पार्टनर को ताने मारने की गलती न करें। अगर आपको ऐसी आदत है, तो इसे सुधार लें। वरना आपकी इस आदत की वजह से आपके और पार्टनर के बीच दिक्कत हो सकती है और इसका सीधा असर आपके रिश्ते पर पड़ सकता है।

गुस्सा करना गलत है

जहां एक तरफ लोग अपने पार्टनर का ध्यान रखते हैं, उन्हें प्यार करते हैं, उनकी हर एक छोटी-बड़ी बात को मानते हैं आदि। पर कई लोग अपने पार्टनर पर बेवजह गुस्सा करते हैं या दफ्तर का गुस्सा पार्टनर पर निकालते हैं। ऐसी गलती बिल्कुल न करें, वरना इससे आपका रिश्ता खराब हो सकता है।

जन-जन तक पहुंचेगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी गाड़ी - सांसद लालवानी

इंदौर के बनेडिया ग्राम पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

इंदौर। शासन की सभी प्रमुख योजनाओं को प्रदेश के प्रत्येक कोने के हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा संचालित की जा रही है। यह यात्रा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वार्ड एवं पंचायत वार चलाई जा रही है। जनप्रतिनिधि इस यात्रा का नेतृत्व कर योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में गत दिवस देपालपुर के बनेडिया ग्राम में सांसद शंकर लालवानी ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ मिलकर विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से ग्राम वासियों को जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराया।

सांसद लालवानी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी गाड़ी है। विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रदेश के जन जन तक यह गाड़ी पहुंचकर उन्हें विकास की दौड़ में भागीदारी बनाएगी और सरकार की योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाएगी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने हितग्राहियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागीय कैंप के माध्यम से हितग्राहियों का पंजीयन कर उन्हें योजनाओं के लाभ प्रदान करने के लिए शिविर लगाए गए। क्विज एवं अन्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।

पेंशनर दिवस पर 70 वर्ष से अधिक उम्र के सदस्यों का सम्मान किया

इंदौर। पुलिस पेंशनर्स संघ जिला इकाई इन्दौर द्वारा अभिनव कला समाज में उत्साहपूर्ण वातावरण मे पेंशनर दिवस मनाया गया ।इस मौके पर 70 वर्ष से अधिक उम्र के सदस्यों का सम्मान किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपीएस चौहान अध्यक्ष पुलिस पेंशनर्स संघ इन्दौर थे। विशेष अतिथि अशोक उपाध्याय (रिटा. उप पुलिस अधीक्षक एवं आर के शुक्ला थे। विशेष रूप से संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य के एस बुंदेला, विष्णु प्रसाद शर्मा, दिनेश सिंह भदोरिया, विश्वम्भर सिंह कुशवाहा, सुरेंद्रसिंह भदोरिया, जी एस तिवारी, वाय एस रघुवंशी, अशोक दुबे, किशोरसिंह चौहान, जितेंद्र सिंह चौहान,शिव मूरत यादव, देवीलाल जोशी आदि उपस्थित थे। पेंशनर्स ग्रुप के सभी सदस्यो ने स्व, डीएस नाकरा के चित्र पर फूलमालाये पहनाकर श्रध्दा सुमन अर्पित कर उनकी पुण्यतिथि मनाई। इस अवसर पर दो नये सदस्यों द्वारा पेंशनर्स संघ की सदस्यता ग्रहण की गई ,जिनका सम्मान किया गया। । उपस्थित सभी सदस्यों से एक साथ मिलकर ग्रुप में कार्य करने की अपील की गई ।

प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना ने बनाया राजेंद्र को आर्थिक रूप से स्वावलंबी

इंदौर । सरकार की प्रमुख योजनाओं को सभी तक पहुंचाने के लिए प्रदेश भर में विकसित भारत संकल्प यात्रा आरंभ की जा चुकी है। संकल्प यात्रा द्वारा सुनिश्चित किया जा रहा है कि योजनाओं का लाभ सभी लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे। संकल्प यात्रा की उपलब्धियों को साझा करने के लिए 'मेरी कहानी-मेरी जुबानी' जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें हितग्राहियों द्वारा योजनाओं से प्राप्त हुए लाभ के बारे में बताया जा रहा है। इसी क्रम में हितग्राही राजेंद्र खोगे, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से प्राप्त हुए लाभ के बारे में जानकारी देते हुए बताते हैं कि कोरोना के दौरान उन्हें आर्थिक रूप से बहुत परेशानी उठानी पड़ी। न ही वे अपने बच्चों को पढ़ा पा रहे थे और न घर के खर्चों में कुछ योगदान दे पा रहे थे। उन्हें नगर निगम के माध्यम से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

जनविकास सोसाइटी द्वारा मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस

इंदौर। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस यह दिवस 18 दिसम्बर 1991 से मनाया जा रहा है सयुक्त राष्ट्रीय संघ के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस मानाने की ओपचारिक घोषणा 1990 में की गई। यह दिवस देश दुनिया के अलग-अलग गावों व शहरो से आये उन मजदुर परिवारों के उत्थान और कल्याण के प्रति सहनुभूति प्रदान करने और मजदुर साथियों की देश व् समाज की अर्थवयवस्थाओं और विकास में भूमिका को और उनके मुलभुत अधिकारों की सुरक्षा को याद दिलाने हेतु मनाया जाता है। जनविकास सोसाइटी के द्वारा मजदुर परिवारो को उनके मुलभुत अधिकारों की सुरक्षा व समस्याओं के प्रति सहयोग प्रदान करने के लिए और समाज

की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु कार्य किया जा रहा है, इसी कड़ी में आज जनविकास सोसाइटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस मनाया गया कार्यक्रम में अलग - अलग वेशभूषा पर आधारित नृत्य व नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए और कार्यक्रम में उपस्थित 400 मजदुरो को गरम कम्बल भेट किये गए। कार्यक्रम जनविकास सोसाइटी परिसर में आयोजित किया गया कार्यक्रम मे अलग - अलग चौराहों से 400 प्रवासी जन सामिल हुए कार्यक्रम की शुरुवात सभी अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि – इंदौर पुलिस उपायुक्त श्री मान जगदीश डावर सर,ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर मजदुर जनों को सुभकामनाए दी और जनविकास सोसाइटी को मजदुर वर्ग के लिए किए जा रहे कार्यो की सराहना की साथ ही इंदौर पुलिस के द्वारा संचालित सृजन कार्यक्रम किन जानकारी प्रदान की। इंदौर धर्म प्रांत के प्रमुख श्रीमान बिसप चाको जी के द्वारा सभी को जीवन में आगे बड़ने और शिक्षा के महत्त्व के विषय में बताया।

ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम के लिये ध्वनि मानकों का पालन कराने हेतु 45 उड़नदस्तों का गठन

उड़नदस्तों की संयुक्त बैठक/प्रशिक्षण कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी की अध्यक्षता में सम्पन्न

इंदौर। राज्य शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में इंदौर जिले में ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम के लिये ध्वनि मानकों का प्रभावी रूप से पालन कराने के लिये मुहिम चलाई जा रही है। इस मुहिम के तहत सभी संबंधितों का सकारात्मक बेहतर सहयोग प्राप्त हो रहे है। जिले में धर्म स्थलों से ध्वनि विस्तारक यंत्र संबंधितों द्वारा स्वेच्छा से हटाये जा रहे है। इस मुहिम को और अधिक प्रभावी तथा गति देने के लिये जिले में 45 उड़नदस्तों का गठन किया गया है। यह उड़नदस्तें थानावार गठित किये गये है। इन उड़नदस्तों में जिला

प्रशासन द्वारा नामित अधिकारी जिनमें मूलतः तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार सहित संबंधित थाने के प्रभारी एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नामित क्षेत्रीय अधिकारी शामिल रहेंगे। इन उड़नदस्तों की संयुक्त बैठक/प्रशिक्षण आज कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती सपना लोवंशी तथा श्री रोशन राय सहित जिला प्रशासन, पुलिस और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी मौजूद थे। इस बैठक में धार्मिक स्थलों एवं अन्य स्थानों पर ध्वनि विस्तार यंत्रों के अनियंत्रित एवं नियम विरूद्ध उपयोग को प्रतिबंधित करने के संबंध में जारी नियम निर्देशों और आदेशों के संबंध में जानकारी दी गई। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम करना समाज हित में है। ध्वनि प्रदूषण से मानव जीवन पर प्रतिकूल दूष?प्रभाव होते है। इसके लिये जरूरी है कि ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम के लिये विधि के अनुसार कार्रवाई की जाये। यह कार्रवाई एकरूपता से हो। उन्होंने कहा कि सभी संबंधितों को समझाईश दी जाये कि वे नियम के अनुसार ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग करें। कानून, नियम और निर्देशों की अवेहलना नहीं करें। अवेहलना करने वालों को समझाईश दी जाये कि वे स्वेच्छा से ध्वनि विस्तारक यंत्र हटा लेवें। बैठक में बताया गया कि मुहिम के तहत समझाईश एवं जागरूकता का कार्य तेजी से जारी है। सभी का अपेक्षित सहयोग प्राप्त हो रहा है। लोग स्वेच्छा से ध्वनि विस्तारक यंत्र हटा रहे है। बैठक में बताया गया कि ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई के लिये पुलिस थानावार 45 उड़नदस्तें गठित किये गये है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)